ॐ गंग गणपतये नमः

Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 80011457 Date: 01-05-2020 Validity : 1 Month Only

नाम: Mahesh Eknath Jangal	जन्म तिथि: 07/05/1973	जन्म समय: 05:10 AM
जन्म स्थान: AhmadNagar (MH)	मांगलिक योग: NO (नहीं)	इष्ट देव: Surya Dev
लग्न: Mesh Lagna	राशि: Mithun	नक्षत्र: आर्द्रा - 4

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Mangal	25 %	Shukra	0-10% (Nill)
2.	Surya (उच्च)	30 %	Budh (अस्त)	25 %
3.	Shani	20 %	Guru (नीच)	100 %
4.			Chandra	80 %
5.			Rahu (नीच)	100 %
6.			Ketu (नीच)	100 %

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, सूर्य का माणिक तथा मंगल का मूँगा जीवन भर धारण करके रखें। मनोकामनायें पूर्ण होंगी। Health & कार्यपरेशानी नहीं होगी।

पुत्र प्राप्ति के योग हैं।

3. कुण्डली दोष: ① चन्द्र ग्रहण योग ② काल सर्प योग : Rahu & Ketu की दशा में Rahu & Ketu के दान अवश्य करें। ③ अंगारक योग :

4. शुभ दिन: Sunday, Tuesday, Saturday.

5. शुभ रंग: लाल, भगवा, काला only. अशुभ :- (पीला, हरा, नीला आदि)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मूंगा (Red Coral)	10	Right	Ring	सोने, पीतल में मंगलवार को सुबह 8:15 AM पर शुक्लपक्ष में धारण करें।
2. माणिक (Ruby)	7+	Left	Ring	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में रविवार को सुबह 8:15 AM पर धारण करें।
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. Office Address (Head Office): Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. **वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

पन्ना, ओपल, हीरा, जरकन, फिरोजा, पुखराज, मोती, गोमेद, लहसुनिया आदि रत्न वर्जित है।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** बुध देव: बुध देव का ध्यान व पाठ पूजन सदैव रोग कम करने में मदद करेगा तथा मूंगा धारण करने से शरीर में रोग कम होंगे, मर्जी नहीं होगा।

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थ्य - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव	:	लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
शुक्र देव	:	गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव	:	शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव	:	सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव	:	रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : बुधदेव, राहु, केतु, बृहस्पति का दान करने से व पाठपूजन करने से रोगों को हमेशा के लिए दूर किया जा सकता है।

Comments:

☺ साहसी, Energetic personality रहेगी, मेहनती, good physic, Agressive Nature भी रहेगा!

☺ बुध की दशा में बार-2 कर्जा के चक्कर में फसने का योग बनता है साथ ही साथ दुर्घटना के योग बनेंगे।
बुध का दान हर बुधवार को तथा गणेश जी का पाठ पूजन सदैव कर्जा, शत्रु को कम करेगा।

☺ चन्द्र ग्रहण के कारण माता की health में परेशानी देखने को मिलेगा तथा आपका ज्यादातर समय मन अशान्त रहेगा। फिजूल की मेहनत काफी होगी, बहुत मेहनत के बाद प्रॉपर्टी बनेगी।

☺ गुरु (नीच) होने के कारण वाहन में obstacles रहेंगी। तथा father से वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं तथा उनकी health में गिरावट देखने को मिलेगी in guru dasha.

☺ पुत्र प्राप्ति के योग हैं।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

बुध की महादशा :- 12/06/2008 to 12/06/2025 : खराब दशा (30%)

रोग, कर्जा, शत्रु बढ़ेंगे तथा फिजूल की मेहनत बढ़ जाएगी। Negativity भी बढ़ सकती है। मन अशान्त रहेगा। Anxiety etc.

बार-2 कर्ज Activate होगा इस दशा में।

↳ बुध के उपाय व दान हर बुधवार को करते रहें।

बुध/राहु :- 09/12/2017 to 27/06/2020 : खराब दशा (100%)

↳ uncertain losses हो सकते हैं। share market से दूर रहें। शत्रु Activate होंगे। तथा Negative thoughts बढ़ेंगे; पूजापाठ में कम मन लगेगा तथा पिता से मतभेद हो सकते हैं। बच्चों की परेशानी हो सकती है।

↳ बुध तथा राहु के दान व उपाय आगे report से देखकर follow करें।

↳ राहु के दान सूर्यास्त के बाद होंगे।

बुध/गुरु :- 28/06/2020 to 03/10/2022 :- खराब दशा (100%)

↳ Job में समस्या बढ़ेगी, कामकाज disturb होगा। कर्जा परेशान करेगा, मानसिक तनाव अधिक रहेगा, Bank में पैसे टिकेंगे नहीं। धन हानि होगी। पैसा निकल कर भागेगा। खर्चा बढ़ेगा। दुर्घटनायें भी हो सकती हैं। सावधानी रखें।

↳ गुरु के उपाय व दान हर बृहस्पतिवार को अवश्य करें।

↳ बुध के उपाय व दान बुधवार को follow करें।

22/06/21 to 08/08/21 → केतु के उपाय व दान करें! (Extra).

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – *Jyotish Disha*, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नम:)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नम:)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नम:)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोज़ाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**

केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए का दान अवश्य करें तथा किसी गरीब इन्सान को भोजन कराएं।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Additional Upaay upto 2½ साल from 24 jan 2020.

शनि की ढैय्या :

- आपके ऊपर शनि देव की ढैय्या चल रही है 24/01/2020 से , 2½ साल तक चलेगी। इसलिए शनि देव का पाठ पूजन सूर्यास्त के बाद हर शनिवार को अवश्य करें तथा शनि देव से सुखना अवश्य माँगें !

- शनिवार को पीपल के पेड़ को जल अवश्य दे तथा सरसों के तेल का दीपक भी जलाएँ। पीपल को जल किसी भी समय दिया जा सकता है लेकिन शनि देव का पाठ पूजन केबल सूर्यास्त के बाद ही होगा।

Mahesh Eknath Jangale

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011457 Date: 01/05/2020

Mahesh Eknath Jangale

07 May 1973 05:10 AM

Ahmadnagar

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Mahesh Eknath Jangale

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011457 Date: 01/05/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **6-07/05/1973**
दिन	: रवि–सोमवार
जन्म समय	: **05:10:00 ांटे**
इष्ट	: 57:52:56 घटी
स्थान	: **Ahmadnagar**
राज्य	: Maharashtra
देश	: India

अक्षांश	: 19:05:00 उत्तर
रेखांश	: 74:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:31:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 04:38:56 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:24 घंटे
साम्पातिक काल	: 19:37:38 घंटे
सूर्योदय	: 06:00:49 घंटे
सूर्यास्त	: 18:54:54 घंटे
दिनमान	: 12:54:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 22:47:52 मेष
लग्न के अंश	: 07:09:05 मेष

चैत्रादि संवत / शक	: 2030 / 1895
मास	: वैशाख
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 4
तिथि समाप्ति काल	: 13:01:35
जन्म तिथि	: 5
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: मृगशिरा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 07:20:04 घंटे
जन्म नक्षत्र	: आर्द्रा
सूर्योदय कालीन योग	: सुकर्मा
योग समाप्ति काल	: 14:37:35 घंटे
जन्म योग	: धृति
सूर्योदय कालीन करण	: विष्टि
करण समाप्ति काल	: 13:01:35 घंटे
जन्म करण	: बालव
भयात	: 54:34:51
भभोग	: 54:53:10
भोग्य दशा काल	: राहु 0 वर्ष 1 मा 5 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: मेष – मंगल
राशि–स्वामी	: **मिथुन – बुध**
नक्षत्र–चरण	: **आर्द्रा – 4**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: धृति
करण	: बालव
गण	: मनुष्य
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: सिंह
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: छ–छत्रपति
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ात चक्र	
मास	: आषाढ़
तिथि	: 2-7-12
दिन	: सोमवार
नक्षत्र	: स्वाति
योग	: परिघ
करण	: कौलव
प्रहर	: 3
वर्ग	: मृग
लग्न	: कर्क
सूर्य	: मीन
चन्द्र	: कुम्भ
मंगल	: मेष
बुध	: मकर
गुरु	: वृष
शुक्र	: मिथुन
शनि	: कुम्भ
राहु	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	07:09:05	434:22:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	———
सूर्य			मेष	22:47:52	00:58:05	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	19:55:36	14:26:23	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	05:40:26	00:42:20	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	मेष	08:07:37	01:52:54	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			मक	17:44:47	00:04:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	नीच राशि
शुक्र			मेष	29:53:30	01:13:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
शनि			वृष	25:40:25	00:07:00	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु			धनु	15:26:42	00:00:23	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
केतु			मिथु	15:26:42	00:00:23	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		कन्या	26:28:53	00:02:13	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	———
नेप	व		वृश्चि	13:07:14	00:01:30	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	———
प्लूटो	व		कन्या	08:31:06	00:01:04	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	———
दशम भाव			धनु	29:07:10	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	मंगल	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:21

लग्न–चलित

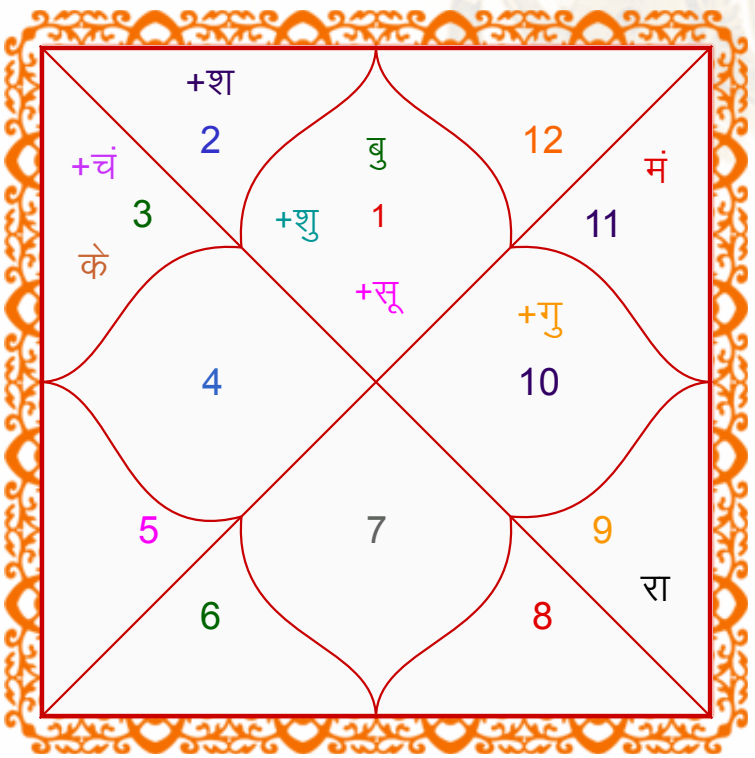

चन्द्र कुंडली

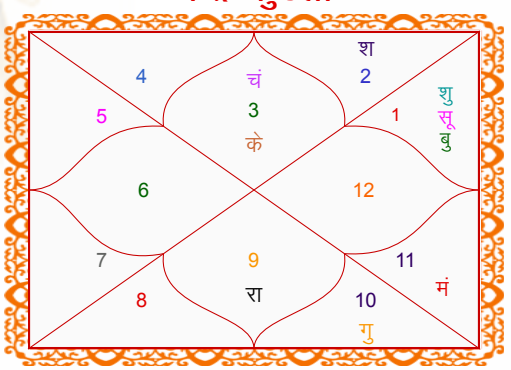

नवमांश कुंडली

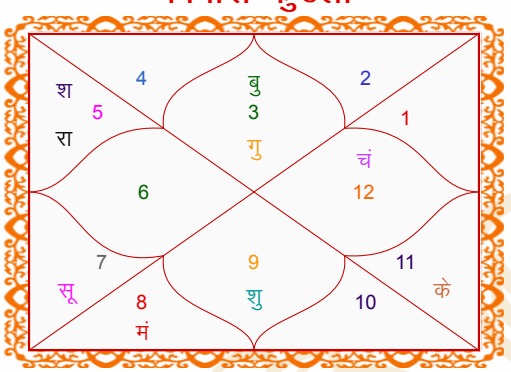

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	56	44	57	8	4	49	12
सप्तवर्गज बल	84	124	150	98	116	128	86
ओजयुग्मक बल	30	15	15	30	15	0	15
केन्द्र बल	60	15	30	60	60	60	30
द्रेष्काण बल	0	0	15	0	0	15	0
कुल स्थान बल	230	198	267	195	195	252	143
कुल दिग्बल	22	57	48	60	34	40	16
नतोन्नत बल	24	36	36	60	24	24	36
पक्ष बल	41	82	41	41	19	19	41
त्रिभाग बल	0	0	60	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	45	0	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	60	0	0	0
अयन बल	103	1	15	46	7	54	1
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	213	149	152	207	110	97	93
कुल चेष्टाबल	0	0	32	4	32	6	12
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	3	-10	-15	3	-22	0	-2
कुल षट्बल	528	445	501	495	384	437	271
रूप षट्बल	8.8	7.4	8.4	8.2	6.4	7.3	4.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.8	1.2	1.7	1.2	1.0	1.3	0.9
संबंधित पद	1	4	2	5	6	3	7

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	50.32	29.06	42.54	5.77	11.67	16.90	11.83
कष्ट फल	7.88	25.31	8.54	53.96	39.47	24.37	48.17

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	501	437	495	495	528	495	437	501	384	384	271	384
भावदिग्बल	30	20	40	30	10	10	0	50	20	60	40	20
भावदृष्टि बल	29	26	45	55	56	13	84	42	13	-4	-12	-11
कुल भाव बल	560	483	580	580	594	518	521	593	417	439	298	392
रूप भाव बल	9.3	8.0	9.7	9.7	9.9	8.6	8.7	9.9	7.0	7.3	5.0	6.5
संबंधित पद	5	8	3	4	1	7	6	2	10	9	12	11

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

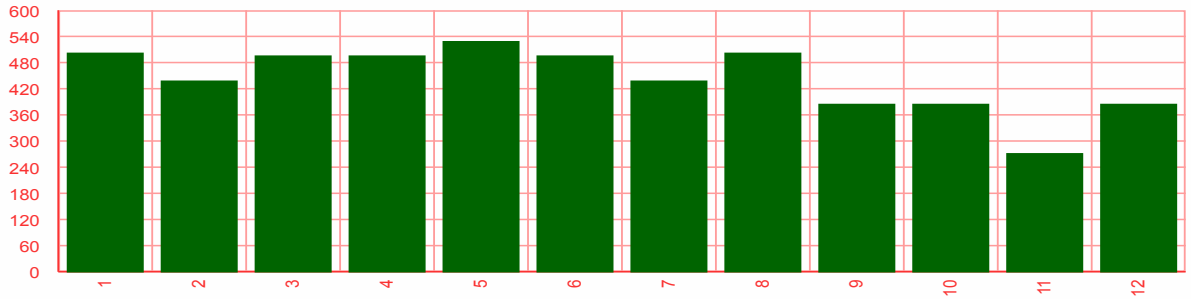

भावदिग्बल

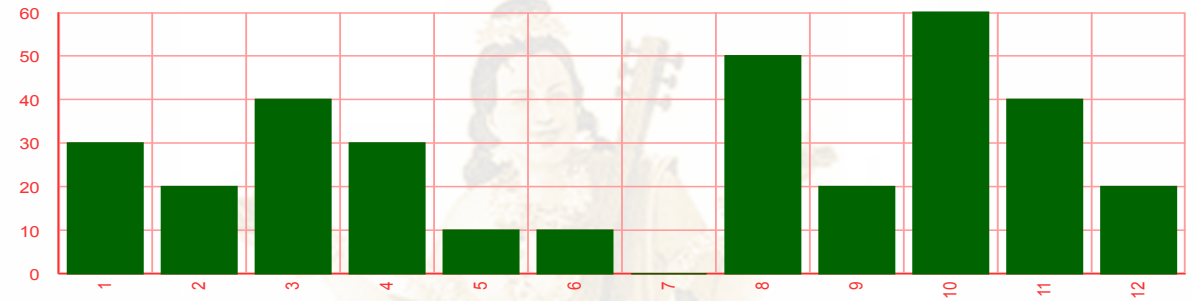

भावदृष्टि बल

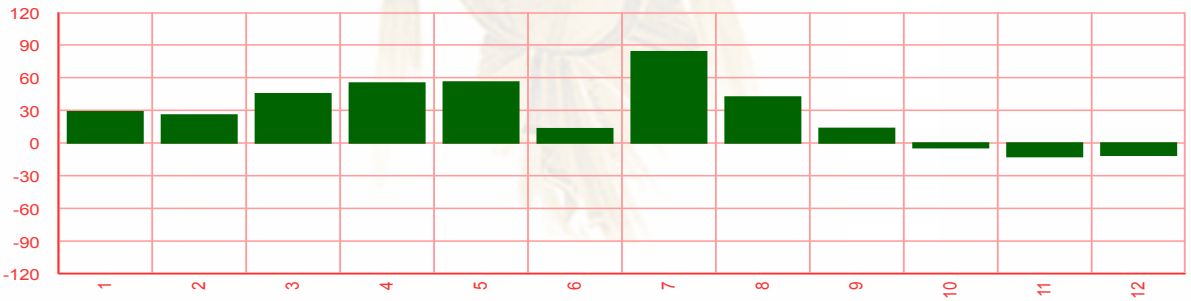

भाव बल

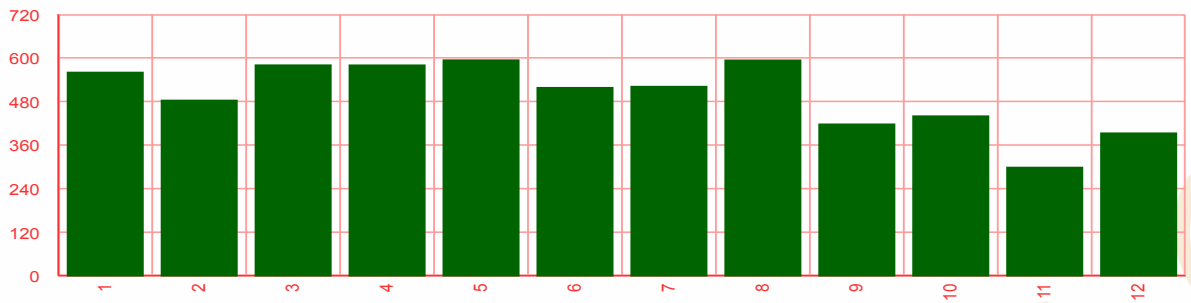

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 1 मास 5 दिन

राहु 18 वर्ष	
07/05/1973	
12/06/1973	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	07/05/1973
मंगल	12/06/1973

गुरु 16 वर्ष	
12/06/1973	
12/06/1989	
गुरु	31/07/1975
शनि	10/02/1978
बुध	18/05/1980
केतु	24/04/1981
शुक्र	24/12/1983
सूर्य	11/10/1984
चंद्र	10/02/1986
मंगल	17/01/1987
राहु	12/06/1989

शनि 19 वर्ष	
12/06/1989	
12/06/2008	
शनि	15/06/1992
बुध	23/02/1995
केतु	03/04/1996
शुक्र	03/06/1999
सूर्य	15/05/2000
चंद्र	15/12/2001
मंगल	23/01/2003
राहु	29/11/2005
गुरु	12/06/2008

बुध 17 वर्ष	
12/06/2008	
12/06/2025	
बुध	08/11/2010
केतु	05/11/2011
शुक्र	05/09/2014
सूर्य	13/07/2015
चंद्र	11/12/2016
मंगल	08/12/2017
राहु	27/06/2020
गुरु	03/10/2022
शनि	12/06/2025

केतु 7 वर्ष	
12/06/2025	
12/06/2032	
केतु	08/11/2025
शुक्र	08/01/2027
सूर्य	16/05/2027
चंद्र	15/12/2027
मंगल	12/05/2028
राहु	31/05/2029
गुरु	07/05/2030
शनि	15/06/2031
बुध	12/06/2032

शुक्र 20 वर्ष	
12/06/2032	
12/06/2052	
शुक्र	12/10/2035
सूर्य	11/10/2036
चंद्र	12/06/2038
मंगल	12/08/2039
राहु	12/08/2042
गुरु	12/04/2045
शनि	12/06/2048
बुध	12/04/2051
केतु	12/06/2052

सूर्य 6 वर्ष	
12/06/2052	
12/06/2058	
सूर्य	29/09/2052
चंद्र	31/03/2053
मंगल	06/08/2053
राहु	30/06/2054
गुरु	19/04/2055
शनि	31/03/2056
बुध	04/02/2057
केतु	12/06/2057
शुक्र	12/06/2058

चंद्र 10 वर्ष	
12/06/2058	
12/06/2068	
चंद्र	12/04/2059
मंगल	12/11/2059
राहु	12/05/2061
गुरु	11/09/2062
शनि	12/04/2064
बुध	11/09/2065
केतु	12/04/2066
शुक्र	12/12/2067
सूर्य	12/06/2068

मंगल 7 वर्ष	
12/06/2068	
12/06/2075	
मंगल	08/11/2068
राहु	26/11/2069
गुरु	02/11/2070
शनि	12/12/2071
बुध	08/12/2072
केतु	06/05/2073
शुक्र	06/07/2074
सूर्य	11/11/2074
चंद्र	12/06/2075

राहु 18 वर्ष	
12/06/2075	
07/05/2093	
राहु	23/02/2078
गुरु	18/07/2080
शनि	25/05/2083
बुध	11/12/2085
केतु	30/12/2086
शुक्र	30/12/2089
सूर्य	23/11/2090
चंद्र	24/05/2092
मंगल	07/05/2093

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 1 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - राहु	
08/12/2017	
27/06/2020	
राहु	27/04/2018
गुरु	29/08/2018
शनि	24/01/2019
बुध	05/06/2019
केतु	29/07/2019
शुक्र	31/12/2019
सूर्य	16/02/2020
चंद्र	04/05/2020
मंगल	27/06/2020

बुध - गुरु	
27/06/2020	
03/10/2022	
गुरु	15/10/2020
शनि	23/02/2021
बुध	21/06/2021
केतु	08/08/2021
शुक्र	24/12/2021
सूर्य	03/02/2022
चंद्र	13/04/2022
मंगल	01/06/2022
राहु	03/10/2022

बुध - शनि	
03/10/2022	
12/06/2025	
शनि	07/03/2023
बुध	25/07/2023
केतु	20/09/2023
शुक्र	02/03/2024
सूर्य	20/04/2024
चंद्र	11/07/2024
मंगल	06/09/2024
राहु	01/02/2025
गुरु	12/06/2025

केतु - केतु	
12/06/2025	
08/11/2025	
केतु	21/06/2025
शुक्र	15/07/2025
सूर्य	23/07/2025
चंद्र	04/08/2025
मंगल	13/08/2025
राहु	04/09/2025
गुरु	24/09/2025
शनि	18/10/2025
बुध	08/11/2025

केतु - शुक्र	
08/11/2025	
08/01/2027	
शुक्र	18/01/2026
सूर्य	08/02/2026
चंद्र	16/03/2026
मंगल	10/04/2026
राहु	13/06/2026
गुरु	08/08/2026
शनि	15/10/2026
बुध	14/12/2026
केतु	08/01/2027

केतु - सूर्य	
08/01/2027	
16/05/2027	
सूर्य	15/01/2027
चंद्र	25/01/2027
मंगल	02/02/2027
राहु	21/02/2027
गुरु	10/03/2027
शनि	30/03/2027
बुध	17/04/2027
केतु	25/04/2027
शुक्र	16/05/2027

केतु - चंद्र	
16/05/2027	
15/12/2027	
चंद्र	03/06/2027
मंगल	15/06/2027
राहु	17/07/2027
गुरु	15/08/2027
शनि	17/09/2027
बुध	17/10/2027
केतु	30/10/2027
शुक्र	04/12/2027
सूर्य	15/12/2027

केतु - मंगल	
15/12/2027	
12/05/2028	
मंगल	24/12/2027
राहु	15/01/2028
गुरु	04/02/2028
शनि	28/02/2028
बुध	20/03/2028
केतु	28/03/2028
शुक्र	22/04/2028
सूर्य	30/04/2028
चंद्र	12/05/2028

केतु - राहु	
12/05/2028	
31/05/2029	
राहु	09/07/2028
गुरु	29/08/2028
शनि	29/10/2028
बुध	22/12/2028
केतु	13/01/2029
शुक्र	18/03/2029
सूर्य	06/04/2029
चंद्र	08/05/2029
मंगल	31/05/2029

केतु - गुरु	
31/05/2029	
07/05/2030	
गुरु	15/07/2029
शनि	07/09/2029
बुध	25/10/2029
केतु	14/11/2029
शुक्र	10/01/2030
सूर्य	27/01/2030
चंद्र	25/02/2030
मंगल	16/03/2030
राहु	07/05/2030

केतु - शनि	
07/05/2030	
15/06/2031	
शनि	10/07/2030
बुध	05/09/2030
केतु	29/09/2030
शुक्र	05/12/2030
सूर्य	25/12/2030
चंद्र	28/01/2031
मंगल	21/02/2031
राहु	22/04/2031
गुरु	15/06/2031

केतु - बुध	
15/06/2031	
12/06/2032	
बुध	06/08/2031
केतु	27/08/2031
शुक्र	26/10/2031
सूर्य	13/11/2031
चंद्र	14/12/2031
मंगल	04/01/2032
राहु	27/02/2032
गुरु	15/04/2032
शनि	12/06/2032

शुक्र - शुक्र	
12/06/2032	
12/10/2035	
शुक्र	01/01/2033
सूर्य	02/03/2033
चंद्र	12/06/2033
मंगल	22/08/2033
राहु	21/02/2034
गुरु	02/08/2034
शनि	11/02/2035
बुध	02/08/2035
केतु	12/10/2035

शुक्र - सूर्य	
12/10/2035	
11/10/2036	
सूर्य	30/10/2035
चंद्र	30/11/2035
मंगल	21/12/2035
राहु	14/02/2036
गुरु	03/04/2036
शनि	30/05/2036
बुध	21/07/2036
केतु	11/08/2036
शुक्र	11/10/2036

शुक्र - चंद्र	
11/10/2036	
12/06/2038	
चंद्र	01/12/2036
मंगल	06/01/2037
राहु	07/04/2037
गुरु	27/06/2037
शनि	01/10/2037
बुध	27/12/2037
केतु	31/01/2038
शुक्र	13/05/2038
सूर्य	12/06/2038

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल	
12/06/2038	
12/08/2039	
मंगल	07/07/2038
राहु	09/09/2038
गुरु	05/11/2038
शनि	11/01/2039
बुध	13/03/2039
केतु	06/04/2039
शुक्र	16/06/2039
सूर्य	08/07/2039
चंद्र	12/08/2039

शुक्र - राहु	
12/08/2039	
12/08/2042	
राहु	24/01/2040
गुरु	18/06/2040
शनि	08/12/2040
बुध	12/05/2041
केतु	15/07/2041
शुक्र	14/01/2042
सूर्य	10/03/2042
चंद्र	09/06/2042
मंगल	12/08/2042

शुक्र - गुरु	
12/08/2042	
12/04/2045	
गुरु	20/12/2042
शनि	23/05/2043
बुध	08/10/2043
केतु	04/12/2043
शुक्र	14/05/2044
सूर्य	02/07/2044
चंद्र	21/09/2044
मंगल	17/11/2044
राहु	12/04/2045

शुक्र - शनि	
12/04/2045	
12/06/2048	
शनि	12/10/2045
बुध	25/03/2046
केतु	31/05/2046
शुक्र	10/12/2046
सूर्य	06/02/2047
चंद्र	13/05/2047
मंगल	20/07/2047
राहु	09/01/2048
गुरु	12/06/2048

शुक्र - बुध	
12/06/2048	
12/04/2051	
बुध	05/11/2048
केतु	05/01/2049
शुक्र	26/06/2049
सूर्य	17/08/2049
चंद्र	11/11/2049
मंगल	10/01/2050
राहु	15/06/2050
गुरु	31/10/2050
शनि	12/04/2051

शुक्र - केतु	
12/04/2051	
12/06/2052	
केतु	07/05/2051
शुक्र	17/07/2051
सूर्य	08/08/2051
चंद्र	12/09/2051
मंगल	07/10/2051
राहु	10/12/2051
गुरु	05/02/2052
शनि	12/04/2052
बुध	12/06/2052

सूर्य - सूर्य	
12/06/2052	
29/09/2052	
सूर्य	17/06/2052
चंद्र	26/06/2052
मंगल	03/07/2052
राहु	19/07/2052
गुरु	03/08/2052
शनि	20/08/2052
बुध	05/09/2052
केतु	11/09/2052
शुक्र	29/09/2052

सूर्य - चंद्र	
29/09/2052	
31/03/2053	
चंद्र	14/10/2052
मंगल	25/10/2052
राहु	21/11/2052
गुरु	16/12/2052
शनि	14/01/2053
बुध	09/02/2053
केतु	19/02/2053
शुक्र	22/03/2053
सूर्य	31/03/2053

सूर्य - मंगल	
31/03/2053	
06/08/2053	
मंगल	07/04/2053
राहु	26/04/2053
गुरु	13/05/2053
शनि	03/06/2053
बुध	21/06/2053
केतु	28/06/2053
शुक्र	20/07/2053
सूर्य	26/07/2053
चंद्र	06/08/2053

सूर्य - राहु	
06/08/2053	
30/06/2054	
राहु	24/09/2053
गुरु	07/11/2053
शनि	29/12/2053
बुध	13/02/2054
केतु	05/03/2054
शुक्र	28/04/2054
सूर्य	15/05/2054
चंद्र	11/06/2054
मंगल	30/06/2054

सूर्य - गुरु	
30/06/2054	
19/04/2055	
गुरु	08/08/2054
शनि	24/09/2054
बुध	04/11/2054
केतु	21/11/2054
शुक्र	09/01/2055
सूर्य	23/01/2055
चंद्र	17/02/2055
मंगल	06/03/2055
राहु	19/04/2055

सूर्य - शनि	
19/04/2055	
31/03/2056	
शनि	13/06/2055
बुध	01/08/2055
केतु	21/08/2055
शुक्र	18/10/2055
सूर्य	04/11/2055
चंद्र	03/12/2055
मंगल	23/12/2055
राहु	13/02/2056
गुरु	31/03/2056

सूर्य - बुध	
31/03/2056	
04/02/2057	
बुध	14/05/2056
केतु	01/06/2056
शुक्र	22/07/2056
सूर्य	07/08/2056
चंद्र	02/09/2056
मंगल	20/09/2056
राहु	05/11/2056
गुरु	17/12/2056
शनि	04/02/2057

सूर्य - केतु	
04/02/2057	
12/06/2057	
केतु	11/02/2057
शुक्र	05/03/2057
सूर्य	11/03/2057
चंद्र	22/03/2057
मंगल	29/03/2057
राहु	17/04/2057
गुरु	05/05/2057
शनि	25/05/2057
बुध	12/06/2057

सूर्य - शुक्र	
12/06/2057	
12/06/2058	
शुक्र	12/08/2057
सूर्य	30/08/2057
चंद्र	29/09/2057
मंगल	21/10/2057
राहु	15/12/2057
गुरु	01/02/2058
शनि	31/03/2058
बुध	22/05/2058
केतु	12/06/2058